DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

26 September, 2024

भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA)

संदर्भ: *भारत और ऑस्ट्रेलिया के व्यापार मंत्रियों ने हाल ही में ECTA के 20 महीने बाद पूर्ण FTA वार्ता की प्रगति की समीक्षा की है।*

➢ **अवलोकन:**

- वाणिज्य मंत्री ने भारत-ऑस्ट्रेलिया संयुक्त मंत्रिस्तरीय आयोग की सह-अध्यक्षता करते हुए 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में $100 बिलियन के साझा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यापार संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया।
- अर्ली हार्वेस्ट डील के बाद से, भारत को ऑस्ट्रेलियाई निर्यात $30 बिलियन के करीब पहुंच गया, जिससे कृषि निर्यात में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौता (ECTA) पहला मुक्त व्यापार समझौता (FTA) है जिस पर भारत ने एक दशक से अधिक समय में किसी प्रमुख विकसित देश के साथ हस्ताक्षर किया है।

➢ **समझौते के बारे में:**

व्यापक दायरा: समझौता निम्नलिखित क्षेत्रों में फैला हुआ है:

- **व्यापार:**
  - ✓ मूल के नियम यह सुनिश्चित करते हैं कि टैरिफ से लाभान्वित होने वाले उत्पाद वास्तव में सदस्य देशों में उत्पादित हों।
  - ✓ तकनीकी बाधाओं, स्वच्छता और फाइटोसैनिटरी उपायों सहित सेवाओं में व्यापार।
- **व्यक्तियों की आवाजाही:** इसमें भारतीय STEM स्नातकों के लिए विस्तारित अध्ययन-पश्चात कार्य वीज़ा और युवा भारतीयों के लिए कार्य अवकाश के प्रावधान शामिल हैं।
- **टैरिफ लाइन:** भारत को ऑस्ट्रेलिया की 100% टैरिफ लाइनों तक बाज़ार पहुँच प्राप्त होती है, जिससे रत्न और आभूषण, कपड़ा, चमड़ा आदि जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को लाभ होता है।
  - ✓ **नौकरी सृजन:** अनुमान है कि इस समझौते के परिणामस्वरूप भारत में लगभग 1 मिलियन नौकरियों का सृजन होगा।
  - ✓ **लोगों से लोगों के बीच संबंध:** यह समझौता रोज़गार, कार्य वीज़ा और योग और भोजन जैसे क्षेत्रों में सहयोग के अवसरों के विस्तार के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया के साथ भारत के दीर्घकालिक लोगों से लोगों के संबंधों को मजबूत करता है।
  - ✓ **भारत की पेशकश:** भारत अपनी 70% से अधिक टैरिफ लाइनों, मुख्य रूप से कोयला, खनिज अयस्क और वाइन जैसे कच्चे माल पर पहुँच प्रदान करता है, जो ऑस्ट्रेलिया के लिए महत्वपूर्ण हैं।

➢ **द्विपक्षीय संबंधों के लिए महत्व:**

- ECTA भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करता है, जिसकी शुरुआत 2020 में भारत-ऑस्ट्रेलिया नेताओं के वर्चुअल शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। यह समझौता दोनों देशों के बीच साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, राष्ट्रमंडल संबंधों और आर्थिक जुड़ाव के विस्तार पर आधारित है।

➢ **भारत और ऑस्ट्रेलिया प्रमुख रणनीतिक पहलों में भी भागीदार हैं, जैसे:**

- **जापान के साथ आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन पहल (SCRI)**, जिसका उद्देश्य इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन बढ़ाना है।
- **QUAD** (भारत, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, जापान), समुद्री सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे आम चिंता के कई क्षेत्रों में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।

➢ **व्यापार संबंध:**

- **द्विपक्षीय व्यापार:** जून 2024 में, भारत ने ऑस्ट्रेलिया के साथ $253 मिलियन का व्यापार घाटा दर्ज किया, जिसमें $873 मिलियन का निर्यात और $1.13 बिलियन का आयात हुआ। प्रमुख निर्यातों में पेट्रोलियम उत्पाद, इलेक्ट्रिक मशीनरी, दवा निर्माण, लोहा और इस्पात उत्पाद और कपड़े शामिल थे। प्रमुख आयात कोयला, सोना, खनिज, दालें और लोहा और इस्पात थे।
- **व्यापक आर्थिक सहयोग समझौता (CECA):** CECA वार्ता का दसवाँ दौर 19-22 अगस्त, 2024 को सिडनी में हुआ। वार्ता का अगला दौर नवंबर 2024 में होने की उम्मीद है। CECA का उद्देश्य प्रतिस्पर्धा नीति, कृषि प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे नए क्षेत्रों को शामिल करना है।
- **भारत-ऑस्ट्रेलिया कृषि प्रौद्योगिकी मंच (IAATF):** ऑस्ट्रेलिया 23 सितंबर, 2024 को नई दिल्ली में IAATF की पहली बैठक आयोजित करने का प्रस्ताव कर रहा है। यह मंच कृषि और बागवानी में प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और ज्ञान साझा करने के अवसरों की खोज करेगा।
- **ऑस्ट्रेलिया भारत व्यापार विनिमय (AIBX):** ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने भारत में प्रवेश करने और परिचालन स्थापित करने वाले ऑस्ट्रेलियाई व्यवसायों का समर्थन करने के लिए AIBX लॉन्च किया।

लोकायुक्त

संदर्भ: *हाल ही में, बेंगलुरु की विशेष अदालत ने कर्नाटक के सीएम के खिलाफ MUDA घोटाले की जांच करने के लिए लोकायुक्त को नियुक्त किया।*

➢ **अवलोकन:**

- कर्नाटक की अदालत ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (MUDA) भूमि घोटाले मामले में कथित अनियमितताओं को लेकर सिद्धारमैया के खिलाफ लोकायुक्त जांच का आदेश दिया।
- MUDA ने 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50:50 अनुपात योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे, जहाँ MUDA ने एक आवासीय क्षेत्र विकसित किया।

लोकायुक्त भारतीय संसदीय लोकपाल के रूप में कार्य करता है, जिसे राज्य सरकारों द्वारा लोक सेवकों के खिलाफ शिकायतों और आरोपों की जाँच करने के लिए स्थापित किया जाता है।

➢ **लोकपाल और लोकायुक्त की उत्पत्ति**

- **प्रशासनिक सुधार आयोग (ARC) की सिफारिश:** 1960 के दशक में, ARC ने भ्रष्टाचार के बारे में नागरिकों की शिकायतों को दूर करने के लिए विशेष प्राधिकरण बनाने का सुझाव दिया था।
- **लोकपाल अवधारणा का प्रभाव:** यह विचार स्वीडन में 1809 में पहली बार शुरू की गई लोकपाल प्रणाली से प्रेरित था।
- **शब्दों का निर्माण:** डॉ. एल.एम. सिंघवी ने 1963 में लोकपाल और लोकायुक्त शब्द गढ़े।
- **अन्ना हजारे आंदोलन:** 2011 में, एक प्रभावी भ्रष्टाचार विरोधी निकाय के लिए अन्ना हजारे के नेतृत्व में जमीनी स्तर पर अभियान ने प्रयासों को पुनर्जीवित किया।
- **कानून पारित:** लोकपाल और लोकायुक्त विधेयक अंततः 2013 में कानून बन गया।

➢ **नियुक्ति**

- लोकायुक्त की नियुक्ति राज्य के राज्यपाल द्वारा राज्य उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश और विपक्ष के नेता के परामर्श से की जाती है।
- अधिकांश राज्य 5 वर्ष या 65 वर्ष की आयु तक का कार्यकाल निर्धारित करते हैं, जिसमें पुनर्नियुक्ति के लिए कोई पात्रता नहीं होती है।

➢ **लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के मुख्य प्रावधान**

- **चयन समिति:** इसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, विपक्ष के नेता, भारत के मुख्य न्यायाधीश (या एक नामित न्यायाधीश) और राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त एक प्रतिष्ठित न्यायविद शामिल होते हैं।
- **अधिकार क्षेत्र:** प्रधानमंत्री, मंत्री, संसद सदस्य और विभिन्न ग्रेड (ए, बी, सी, डी) के सरकारी कर्मचारी इसमें शामिल होते हैं।
- **संरचना:** इसमें एक अध्यक्ष और अधिकतम आठ सदस्य शामिल होते हैं, जो अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यकों और महिलाओं से प्रतिनिधित्व अनिवार्य करके विविधता सुनिश्चित करते हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

- **अधीक्षण:** लोकपाल अपने पास भेजे गए मामलों पर केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) सहित जांच एजेंसियों को निर्देश दे सकता है।
- अधिनियम राज्यों को इसके लागू होने के 365 दिनों के भीतर लोकायुक्त संस्थाओं की स्थापना करने का आदेश देता है।

➢ **लोकपाल और लोकायुक्त (संशोधन) अधिनियम, 2016**

- **संपत्ति और देयताएँ:** सार्वजनिक अधिकारियों के लिए संपत्ति की रिपोर्ट करने की 30 दिन की समय-सीमा हटा दी गई, अब रिपोर्टिंग सरकारी समय-सीमा के अनुसार होगी।
- **चयन समिति:** यदि विपक्ष का कोई मान्यता प्राप्त नेता नहीं है, तो सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी का नेता लोकपाल चयन समिति में शामिल हो सकता है।
- **एनजीओ रिपोर्टिंग:** सरकारी अनुदान में 1 करोड़ रुपये या विदेशी फंडिंग में 10 लाख रुपये से अधिक वाले एनजीओ के ट्रस्टियों को अपनी संपत्ति लोकपाल को रिपोर्ट करनी होगी।

➢ **भ्रष्टाचार के खिलाफ वर्तमान शासन ढांचा**

- **भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988:** लोक सेवकों के बीच भ्रष्ट आचरण की पहचान करने वाला प्राथमिक कानून है।
- **केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई):** भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने वाली मुख्य एजेंसी है।
- **केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी):** भ्रष्टाचार के बारे में नागरिकों की शिकायतों का समाधान करता है।
- **राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी):** नागरिकों को अधिकारों के उल्लंघन के लिए शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है।
- **आचरण नियम:** सरकारी कर्मचारियों को उनकी ईमानदारी से समझौता करने से रोकने के लिए विनियम।

सिंधु घाटी सभ्यता

संदर्भ: *2024 में सिंधु घाटी सभ्यता की खोज के 100 साल पूरे हो रहे हैं।*

➢ **अवलोकन:**

- इलस्ट्रेटेड लंदन न्यूज़ ने सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में महत्वपूर्ण समाचार प्रकाशित किए, जिसने दशकों तक दक्षिण एशिया को प्रभावित किया।

➢ **हड़प्पा सभ्यता**

- **क्षेत्र:** सिंधु घाटी (आधुनिक पाकिस्तान और पश्चिमी भारत)
- **महत्व:** मिस्र, मेसोपोटामिया और चीन के साथ सबसे प्रारंभिक शहरी सभ्यताओं में से एक है।
- **खोज:** 1920 के दशक में प्रमुख उत्खनन से हड़प्पा और मोहनजोदड़ो जैसे शहरों का पता चला।

➢ **आईवीसी के चरण**

1. **प्रारंभिक हड़प्पा (3300-2600 ईसा पूर्व):** शहरीकरण, व्यापार नेटवर्क, कृषि।
2. **परिपक्व हड़प्पा (2600-1900 ईसा पूर्व):** चरम शहरी विकास (हड़प्पा, मोहनजोदड़ो)।
3. **उत्तर हड़प्पा (1900-1300 ईसा पूर्व):** गिरावट और शहरी पतन के संकेत।

➢ **शहरी नियोजन और वास्तुकला**

- **संरचना:** ग्रिड संरचना वाले गढ़ और निचले शहर।
- **जल निकासी:** उन्नत प्रणालियाँ, हर घर में अक्सर एक बाथरूम होता था।
- **सामग्री:** पकी हुई ईंटों का उपयोग, समकालीन सूखी ईंट निर्माण से भिन्न।

➢ **कृषि**

- **फसलें:** गेहूँ, जौ, मटर, तिल और कपास।
- **खेती की तकनीक:** जुताई के लिए बैलों का साक्ष्य, उन्नत सिंचाई प्रणाली।

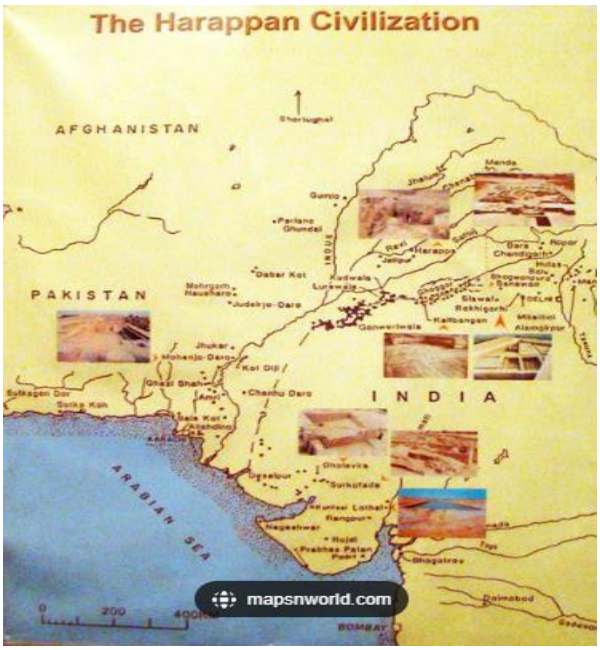

➢ **अर्थव्यवस्था**

- **व्यापार:** धातुओं, वस्त्रों और वस्तुओं के लिए व्यापक व्यापार नेटवर्क जहां वस्तु विनिमय प्रणाली का उपयोग किया गया।
- **सूचक:** अरब सागर में तटीय सूचक का प्रयोग, अफ़गानिस्तान से व्यापारिक संबंध।

➢ **व्यापार भागीदार:**

- **मेसोपोटामिया:** इस सभ्यता ने सुमेर जैसी प्राचीन सभ्यताओं के साथ व्यापार किया, जिसका प्रमाण दोनों क्षेत्रों में पाए गए मुहरों और कलाकृतियों से मिलता है।
- **फारस:** फारस की खाड़ी क्षेत्र के साथ व्यापार ने वस्तुओं के आदान-प्रदान को सुगम बनाया।
- **मध्य एशिया:** व्यापार मार्ग अफगानिस्तान जैसे क्षेत्रों और आगे मध्य एशिया तक विस्तारित हुए।

➢ **शिल्प और उद्योग**

- **धातुकर्म:** कांस्य में प्रवीणता; तांबे और टिन का उपयोग।
- **वस्त्र:** कपास उत्पादन के साक्ष्य; चमकदार वाले मिट्टी के बर्तन।

➢ **शासन और समाज**

- **लिखित अभिलेखों का अभाव:** राजनीतिक संरचना की सीमित समझ, कोई मंदिर नहीं मिला।
- **सिद्धांत:**
  - ✓ व्यापारी वर्ग ने संभावित रूप से शासन किया।
  - ✓ कई शासकों के साथ संभावित समतावादी समाज।

➢ **धर्म**

- **देवता:** प्रजनन प्रतीक और पशु पूजा, टेराकोटा मूर्तियाँ और मुहरें अनुष्ठानों को दर्शाती हैं।
- **मुख्य प्रतीक:** तीन सिर वाला देवता, संभवतः बाद के हिंदू देवताओं से जुड़ा हुआ है।

➢ **पतन कारक**

- **समयरेखा:** 1800 ईसा पूर्व के आसपास पतन।
- **सिद्धांत:**
  - ✓ **प्राकृतिक कारण:** भूवैज्ञानिक परिवर्तन, जलवायु परिवर्तन, नदी मार्ग में परिवर्तन।
  - ✓ **आक्रमण सिद्धांत:** इंडो-यूरोपीय जनजातियों द्वारा संभावित आक्रमण।

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

26 September, 2024

Important Sites of IVC

स्थल	खुदाई करने वाले	स्थान	प्रमुख खोजें
हड़प्पा	दया राम साहनी (1921)	रावी नदी, पंजाब (पाकिस्तान)	मूर्तियाँ, अनाज भंडार, बैल गाड़ी
मोहनजोदड़ो	आर. डी. बनर्जी (1922)	सिंधु नदी, लरकाना (पाकिस्तान)	महान स्नानागार, कांस्य नृत्यांगना, मुहरें
धोलावीरा	आर. एस. बिष्ट (1985)	कच्छ का रण, गुजरात	जल संचयन, जलाशय
लोथल	आर. राव (1953)	भोगवा नदी, गुजरात	पहला मानव निर्मित बंदरगाह, गोदी
कालीबंगन	घोष (1953)	घग्घर नदी, राजस्थान	अग्नि वेदी, लकड़ी का हल
सुरकोटदा	J.P. Joshi (1964)	गुजरात	घोड़े की हड्डियाँ, मनके

भारत में हड़प्पा स्थलों की हाल की खोजें:

- **मोरोधारो:** गुजरात के धोलावीरा के पास एक किलेबंद बस्ती, जिसका नाम इसके पीने योग्य जलाशय के कारण पड़ा।
- **पड्डा बेट:** गुजरात के कच्छ में 5,200 साल पुराना हड़प्पा शवदाह स्थल, जिसमें पत्थर के औजार जैसी कलाकृतियाँ हैं।
- **राखीगढ़ी:** उत्खनन में घरों की संरचनाएँ, गलियाँ, एक जल निकासी प्रणाली, हज़ारों मिट्टी के बर्तन, मुहरें और आभूषण, साथ ही दो कंकालों के डीएनए नमूने मिले है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

अभेद (ABHED)

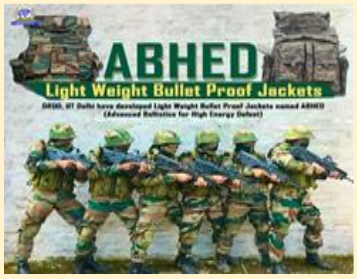

हाल ही में, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने उच्च ऊर्जा पराजय के लिए उन्नत बैलिस्टिक विकसित करने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, आईआईटी दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

ABHED के बारे में:

- एबीएचईडी (उच्च ऊर्जा पराजय के लिए उन्नत बैलिस्टिक) एक हल्के वजन की बुलेट प्रूफ जैकेट है।
- एबीएचईडी का प्राथमिक उद्देश्य हल्के वजन की बुलेट प्रूफ जैकेट बनाना है जो सशस्त्र बलों के कर्मियों को बेहतर सुरक्षा प्रदान करती है।
- जैकेट पॉलिमर और स्वदेशी बोरॉन कार्बाइड सिरेमिक सामग्री से बने हैं, जो स्थायित्व और मजबूती सुनिश्चित करते हैं।
- ये जैकेट भारतीय सेना के जनरल स्टाफ गुणात्मक आवश्यकता (जीएसक्यूआर) द्वारा निर्दिष्ट अधिकतम वजन सीमा से हल्के हैं, जिससे उन्हें पहनना और संचालित करना आसान हो जाता है।
- जैकेट को उच्चतम खतरे के स्तर को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो बैलिस्टिक खतरों के खिलाफ बेहतर सुरक्षा प्रदान करता है।

मांकिडिया जनजाति

हाल ही में, मनकीडिया को वन अधिकार अधिनियम, 2006 के तहत आवास अधिकार प्रदान किए गए, जिससे ओडिशा में ऐसा मान्यता प्राप्त करने वाला छठा PVTG बन गया।

मनकीडिया जनजातियों के बारे में:

- मनकीडिया जनजाति एक ऑस्ट्रो-एशियाई समुदाय है, जो बिरहोर जनजाति का एक अर्ध-खानाबदोश वर्ग है।
- मनकीडिया जनजाति के सदस्य मुख्य रूप से मुंडा भाषा का एक रूप बोलते हैं, कुछ व्यक्ति ओडिया में भी पारंगत हैं।
- वे रस्सी बनाने और जाल बिछाने में अपने पारंपरिक कौशल के लिए जाने जाते हैं, और वे बंदरों का भी सेवन करते हैं, जिन्हें वे अक्सर तब पकड़ते हैं जब ये जानवर फसलों को नुकसान पहुँचाते हैं।
- वे अस्थायी अस्थायी बस्तियों में रहते हैं जिन्हें टांडा के रूप में जाना जाता है, जिसमें गुंबद के आकार की पत्ती की झोपड़ियाँ होती हैं जिन्हें कुंभा कहा जाता है।
- ऐतिहासिक रूप से, मनकीडिया जनजाति के पूर्वज अपनी आजीविका और सांस्कृतिक प्रथाओं के लिए वन संसाधनों पर निर्भर रहे हैं।
- मनकीडिया मुख्य रूप से झारखंड, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल के साथ ओडिशा के मयूरभंज जिले में निवास करते हैं।

डिजिटल गिरफ्तारी

हाल ही में, उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी में तीन व्यक्तियों को पुलिस अधिकारी, कस्टम एजेंट और सीबीआई अधिकारियों का रूप धारण करके पीड़ितों को ठगने के लिए "डिजिटल गिरफ्तारी" रैकेट चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

डिजिटल गिरफ्तारी के बारे में:

- डिजिटल गिरफ्तारी एक प्रकार का साइबर घोटाला है, जिसमें अपराधी कानून प्रवर्तन अधिकारी बनकर पीड़ितों को पैसे देने के लिए धोखा देते हैं।
- अपराधी अक्सर वीडियो कॉल के माध्यम से कानूनी कार्यवाही का अनुकरण कर सकते हैं, ताकि पीड़ितों को पैसे ट्रांसफर करने के लिए मना सकें।
- वे पीड़ितों को यह विश्वास दिलाने के लिए हेरफेर करते हैं कि उन्होंने गंभीर अपराध किए हैं, जिससे उनकी मांगों का अनुपालन करने की तत्काल आवश्यकता महसूस होती है।
- अपराधी पीड़ितों को डराने के लिए परिवार के सदस्यों की आवाज़ की नकल करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग कर सकते हैं।
- डिजिटल गिरफ्तारी के खिलाफ निवारक उपायों में नियमित रूप से पासवर्ड अपडेट करके और दो-कारक प्रमाणीकरण सक्षम करके साइबर स्वच्छता का अभ्यास करना, साथ ही संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करके फ़िशिंग प्रयासों से बचना शामिल है।
- इसके अतिरिक्त, एंटीवायरस सॉफ़्टवेयर के साथ डिवाइस को सुरक्षित करना, एन्क्रिप्टेड इंटरनेट कनेक्शन के लिए विश्वसनीय वीपीएन का उपयोग करना और सुरक्षित संचार के लिए एन्क्रिप्शन तकनीकों को नियोजित करना आवश्यक कदम हैं।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

समाचार में व्यक्तित्व

पंडित दीनदयाल उपाध्याय

हाल ही में पंडित दीनदयाल उपाध्याय को उनकी 108वीं जयंती पर याद किया गया।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय (25 सितंबर 1916 - 11 फरवरी 1968)

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय, जिन्हें पंडितजी के नाम से जाना जाता है, एक भारतीय राजनीतिज्ञ थे। उनका जन्म नगला चंद्रबन में हुआ था, जिसे अब दीनदयाल धाम कहा जाता है, जो उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में स्थित है।

योगदान:

- पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 1965 में "एकात्म मानववाद" की अवधारणा पेश की, जो भारतीय जनसंघ का आधिकारिक राजनीतिक सिद्धांत बन गया।
- उन्होंने हिंदुत्व विचारधारा का प्रचार करने के लिए 1940 के दशक में मासिक प्रकाशन राष्ट्र धर्म की स्थापना की।
- उन्होंने साप्ताहिक पंचजन्य और दैनिक स्वदेश भी शुरू किया, दोनों ने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के आदर्शों को फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सम्मान:

- 2015 में, ग्रामीण विकास मंत्रालय ने उनके योगदान के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत मौजूदा आजीविका कौशल कार्यक्रम का नाम बदलकर दीनदयाल अंत्योदय योजना-एनआरएलएम कर दिया।
- पंडित दीन दयाल उपाध्याय के नाम पर प्रमुख योजनाओं में दीन दयाल अंत्योदय योजना (गरीबी उन्मूलन), दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल्य योजना (ग्रामीण युवा कौशल विकास), दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (ग्रामीण विद्युतीकरण), पंडित दीन दयाल उपाध्याय श्रमेव जयते कार्यक्रम (औद्योगिक कौशल प्रशिक्षण) और दीन दयाल उपाध्याय स्वनियोजन योजना (ग्रामीण स्वरोजगार को बढ़ावा देना) शामिल हैं।

POINTS TO PONDER

- किस संगठन ने गोवा समुद्री संगोष्ठी 2024 के पांचवें संस्करण की मेजबानी की है? - **भारतीय नौसेना**
- मीडिया और मनोरंजन संघ के सहयोग से सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने कौन सी पहल शुरू की है? - **वेव्स एनीमे और मंगा प्रतियोगिता (WAM!)**
- क्वाड देशों (भारत, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और जापान) ने कौन सी पहल शुरू की है? - **कैंसर मूनशॉट पहल**
- हाल ही में, महाराष्ट्र सरकार ने पुणे हवाई अड्डे के लिए कौन सा नया नाम स्वीकृत किया है? - **जगदगुरु संत तुकाराम महाराज पुणे अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा**
- शहरी हरियाली को बढ़ाने के लिए भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा शुरू की गई योजना का नाम क्या है? - **नगर वन योजना (एनवीवाई)**